'आईफोन-13 के साथ फ्लैट और आईपैड वापस क्यों नहीं लौटाते भाजपा विधायक?'

मुख्यमंत्री के सलाहकार दानिश अबरार और क्रीडा परिषद् की चेयरमैन कृष्णा पूनिया ने विधानसभा में यह मुद्दा उठाते हुए बीजेपी विधायकों पर चुटकी ली

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री के सलाहकार कांग्रेस विधायक दानिश अबरार और क्रीडा परिषद की चेयरमैन कृष्णा पूनिया ने विधानसभा में बजट पर चर्चा करते हुए कहा कि ''कांग्रेस सरकार की तरफ से मिले आईफोन-13 लौटाने वाले बीजेपी विधायक पिछले बजट के आईपैड और फ्लैट को वापस क्यों नहीं लौटाते? जबकि आर्थिक मंदी तो पिछले वर्ष करोनाकाल में भी थी। अगर वास्तव में राज्य सरकार का वित्तीय भार कम ही करना है तो जो महंगे फ्लैट सस्ते दामों में सरकार ने दिये थे, उन्हें भी वापस लौटा दें। पिछले बजट के दौरान भी आईपैड सभी विधायकों को दिये थे, वो तो किसी ने वापस नहीं लौटाये। भाजपा सिर्फ छोटी की चीज को बड़ा बनाने का प्रयास कर रही है।

- **भाजपा के विधायकों को मोबाइल में जासूसी उपकरण लगा होने का डर है, इसलिए लौटा रहे हैं आईफोन : दानिश अबरार**
- **इस पर सतीश पूनिया ने पलटवार करते हुए कहा कि ''फ्लैट मुफ्त में नहीं लिये, विधायकों ने लोन लिया है, आईफोन लौटाने का फैसला विधायक दल की बैठक में कर चुके हैं, इसे लेकर कोई गतिरोध नहीं है।''**

इसी बीच जब दानिश अबरार ने बीजेपी विधायकों द्वारा आईफोन लौटाने को ''चोर की दाढ़ी में तिनका'' बता दिया तो हंगामा खड़ा हो गया, हालांकि स्पीकर ने मामला शांत करवाकर बैठाया। दानिश ने कहा कि सरकार ने बजट पढ़ने के लिए विधायकों को आईफोन दिए, खबरों में चल रहा है कि बीजेपी विधायकों ने आईफोन वापस कर दिए। इस पर भी ढोंग और तमाशा, पहले फ्लैट भी लिए। फ्लैट वापस क्यों नहीं करते? मोबाइल फोन इसलिए वापस कर रहे हैं, क्योंकि चोर की दाढ़ी में तिनका। इस पर सभापति ने दानिश को टोका और उत्तेजना नहीं फैलाकर बजट पर बोलने को कहा। तब दानिश ने कहा ''हमने भी मोबाइल लिया, लेकिन हमने ढोंग नहीं किया। चोर की दाढ़ी में तिनका यह था कि बीजेपी की जासूसी की पुरानी आदत रही है। इन्हें डर था कि मोबाइल में जासूसी का कुछ उपकरण डाल नहीं दिया हो, इसलिए इन्होंने मोबाइल फोन वापस किए।''

इस मामले में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा दल की बैठक में सभी विधायकों ने यह फैसला लिया कि फोन वापस कर देंगे, इसे लेकर पार्टी के विधायकों में कोई गतिरोध नहीं है। उन्होंने पिछले साल बजट के दौरान मिले आईपैड और अनुदानित दरों पर मिले फ्लैट लौटाने से इंकार कर दिया।

सतीश पूनिया ने कहा कि जो फ्लैट या लैपटॉप दिया गया, वह विधायक बनने के बाद सबको मिलता है। सतीश पूनिया ने कहा कि जहां तक फ्लैट की बात है, वह आवासन मंडल के ऐसे मकान थे, जो बरसों से नहीं बिक रहे थे। फ्लैट मुफ्त में नहीं लिए। विधायकों ने इन मकानों के लिए लोन लिया है। इसकी किश्तें भी जा रही हैं।

तीन साल में 200 लोगों के बैंक खातों से एक करोड़ रु. निकाले, दो बदमाश दबोचे

एटीएम कार्ड बदलकर वारदात करती थी अंतर्राज्यीय गैंग

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर में एटीएम बूथ पर लोगों के एटीएम कार्ड बदलकर उनके बैंक खातों से जबरन वसूली कर रही अंतर्राज्यीय गैंग के दो बदमाशों को बगरू पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

यह गैंग महज तीन साल में 200 लोगों को अपना शिकार बना कर एक करोड़ रूपए पार कर चुकी है। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से 27 बैंकों के 103 एटीएम कार्ड, तीन स्वैप मशीन और 30 हजार रूपए की नकदी बरामद की है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में दो दर्जन से अधिक वारदातों को अंजाम देना कबूल किया है। पुलिस गिरोह के बारे में पूछताछ कर रही है।

- **103 एटीएम कार्ड, 3 स्वैप मशीन और 30 हजार रु. जब्त**
- **दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान में दो दर्जन से अधिक वारदातें की इन बदमाशों ने**

बगरू थाना पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर लोगों से ठगी करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया।

डीसीपी (वेस्ट) ऋचा तोमर ने बताया गिरोह के बदमाश साकिब उर्फ कालू (29) निवासी हथीन जिला पलवल और विक्रम उर्फ संदीप (32) निवासी दुजाना जिला झज्जर हरियाणा को गिरफ्तार किया गया है। एडिशनल डीसीपी राम सिंह ने बताया कि गिरोह एटीएम बूथ पर कार से पहुंचते है और नासमझ व्यक्ति इनका टारगेट होता है। उसकी मदद के बहाने एटीएम कार्ड मशीन में डलवाकर पिन नंबर, बैलेंस इत्यादि की जानकारी ले लेते हैं।

इसके बाद कार्ड बाहर निकालकर मशीन कैश लेस ट्रांजेक्शन का बटन दबा देते हैं। पीड़ित मोबाइल नंबर के आधार पर मशीन में व्यस्त होता है। इसी दौरान आरोपी बड़ी चालाकी से उसका एटीएम कार्ड हूबहू बदल देते हैं और बाद में एटीएम से रूपए निकाल लेते हैं। दोनों बदमाश इतने शातिर हैं कि कार्ड ब्लॉक होने से पहले विदड्रॉल लिमिट पूरी कर लेते हैं। जिस खाते में 10 हजार रूपए से कम बैलेंस होता है, उसके साथ ठगी नहीं करते है। थानाधिकारी विक्रम सिंह ने बताया गिरोह के बदमाश खुद के पास स्वैप मशीन रखते हैं। एटीएम कार्ड की लिमिट ख़त्म कर उससे शॉपिंग लिमिट राशि को भी अपने खातों में ट्रांसफर कर लेते हैं। यह स्वैप मशीन पेटीएम, भारत स्वैप प्लेटफॉर्म से खरीदी गई है। इसकी खरीद के लिए जीएसटी नम्बर, आधार कार्ड, पता व मोबाइल नम्बर देने पड़ते हैं।

आरोपितों के पास तीन स्वैप मशीनें मिली है, जिनमें से एक पेटीएम और दो भारत स्वैप से सम्बन्धित है। इन मशीनों को मेजर मेव निवासी गांव मंधापुरा थाना फिरोजपुर, हरियाणा से किराए पर लेना कबूला है। मेजर कैस ट्रांसफर करने के लिए 20 प्रतिशत कमीशन लेता है।

फिर सड़कों पर उतरे मेट्रो रेलकर्मी

समयबद्ध पदोन्नति के नियम बनाने की मांग

जयपुर । जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन में मेंटेनर कैडर पदोन्नति नियम बनवाने की मांग को लेकर बुधवार को एक बार फिर जयपुर मेट्रो के कर्मचारी सड़कों पर उतरे और रेल-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। कर्मचारियों ने अपने हाथों में रेल प्रशासन के खिलाफ नारे लिखी तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए मानसरोवर मेट्रो के प्रशासनिक खंड में आक्रोश रैली निकाली।

संयुक्त कर्मचारी संघ के अध्यक्ष विकास क्षत्रिय के नेतृत्व में अपनी मांगों को लेकर आंदोलित कर्मचारियों ने 18 फरवरी को भी विरोध प्रदर्शन किया था। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन के बावजूद भी मेट्रो प्रशासन ने अब तक कर्मचारियों से कोई बात तक नहीं की है। इससे साफ जाहिर होता है की मेट्रो प्रशासन को न तो मेट्रो की छवि की कोई फिक्र है और नही मेहनतकस कर्मचारियों की। जयपुर मेट्रो के मेंटेनर कर्मचारियों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर ज्ञापन दिया। साथ ही चेतावनी दी कि जब तक पदोन्नति पॉलिसी नहीं बनती, तब तक कर्मचारी आंदोलन की राह पर रहेंगे और आने वाले दिनों में आंदोलन और भी उठा रूप में सामने आता रहेगा।

जयपुर मेट्रो में मेंटेनर कैडर पदोन्नति नियम बनवाने की मांग को लेकर बुधवार को कर्मचारियों ने विरोध-प्रदर्शन किया।

आदर्श नगर इलाके में बुजुर्ग महिला पर जानलेवा हमला

जयपुर (कासं)। आदर्श नगर इलाके में सोमवार शाम को एक बुजुर्ग महिला पर जानलेवा हमला कर उसे घर से बाहर निकाल दिया गया। मंगलवार सुबह वह गंभीर हालत में गौरव टावर पुलिया के नीचे रेल्वे ट्रैक पर गंभीर हालत में मिली। राहगीरों ने उसे जयपुरिया अस्पताल पहुंचाया, जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे सवाई मान सिंह अस्पताल में भर्ती कराया। बुधवार को वृद्धा की हालत नाजुक होने पर उसे आईसीयू में भर्ती किया गया है। हालत सही नहीं होने के चलते पुलिस वृद्धा के पर्चा बयान नहीं ले सकी है। वृद्धा के बेटे ने मकान मालकिन और उसके दो बेटों पर बुरी तरह मारपीट कर घर से बाहर निकालने का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस जांच में जुटी है।

दरअसल गुरुनानकपुरा स्थित बिल्डिंग संख्या 290 में फ़्लैट नंबर 203 निवासी जितेंद्र सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि वह इस फ़्लैट में 7 सितंबर 2019 से किराए से अपनी 70 वर्षीया मां कुलविंदर कौर के साथ रह रहा है। 2 महीने पहले पिता की मौत हो गई थी। वह खुद ट्रांसपोर्ट के काम से बाहर आता-जाता रहता है। जनवरी में मकान मालिक ने लीगल नोटिस दिया था। उसका आरोप है कि 28 फरवरी की शाम करीब 7 बजे मकान मालकिन राजकुमारी तनेजा और उसके बेटे हेमंत और सुरेश ने मां के साथ लाठी से बुरी तरह मारपीट की और बाल घसीटते हुए घर से बाहर निकाल दिया। पडौसियों ने उसे सूचना दी तो मकान मालकिन से फोन पर बात की, लेकिन मां के बारे में नहीं बताया। पीड़ित ने दो घंटे के अंतराल में करीब 14 कॉल किए, लेकिन कोई संतुष्टपूर्वक जबाव नहीं मिला।

बजट पर बहस का जवाब आज

जयपुर (विसं)। विधानसभा में बजट पर गुरुवार तक बहस जारी रहेगी। गुरुवार शाम 5 बजे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बजट बहस का जवाब देंगे। बजट बहस के जवाब के दौरान मुख्य फोकस विपक्ष की आपत्तियों का जवाब देने पर रहेगा। प्रदेश पर बढ़ते कर्ज और लोकलुभावन घोषणाओं के लिए बजट का इंतजाम कैसे होगा, इस पर सीएम जवाब देंगे। कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल करने पर सरकार पर पड़ने वाले भार पर भी मुख्यमंत्री ब्यौरा दे सकते हैं।

आरजेएस भर्ती के विवादित प्रश्न मामले में अंतिम बहस आठ को

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरजेएस भर्ती-2021 की प्री परीक्षा में चार प्रश्नों को डिलीट कर परिणाम जारी करने व एसटी विधवा कोटे की कट ऑफ जारी नहीं करने को चुनौती देने के मामले में अंतिम बहस 8 मार्च को तय की है।

जस्टिस एमएम श्रीवास्तव व अनूप ढंड की खंडपीठ ने यह आदेश रेखा चौधरी व सुनीता मीणा व अन्य की याचिकाओं पर दिया। अधिवक्ता गिर्राज प्रसाद शर्मा ने बताया कि आरजेएस भर्ती की प्री परीक्षा में तीन प्रश्नों के उत्तर गलत जांचे गए हैं। वहीं चार प्रश्नों को गलत मानकर डिलीट किया है। याचिका में मान्यता प्राप्त पुस्तकों को हवाला देते हुए कहा कि प्रार्थियों की ओर से लिखे उत्तर सही थे, लेकिन प्रश्नों को गलत जांचने के चलते वे मुख्य परीक्षा में शामिल होने से रह गए हैं। इसके अलावा हाईकोर्ट प्रशासन ने भर्ती में एसटी विधवा कोटे की कट ऑफ ही जारी नहीं की है और इस कारण प्रार्थिया का चयन नहीं हो पाया है।

अदालत ने पिछली सुनवाई पर हाईकोर्ट प्रशासन से जवाब देने के लिए कहा था। जिस पर हाईकोर्ट प्रशासन ने जवाब में कहा कि उन्होंने जिन प्रश्नों को डिलीट किया था वह एक्सपर्ट कमेटी की राय पर किए थे। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनकर मामले की अंतिम बहस 8 मार्च को तय की। याचिकाओं में अदालत से आरजेएस की प्री-परीक्षा के परिणाम में संशोधन करने व एसटी विधवा कोटे की कट ऑफ जारी करने का आग्रह किया है।

हूपर संचालकों की हड़ताल खत्म, आज से उठेगा कचरा

जयपुर (कासं)। बीवीजी कंपनी के हूपर संचालकों की हड़ताल एक सप्ताह बाद खत्म हो गई है। ग्रेटर निगम प्रशासन ने कंपनी के 2 माह के भुगतान की फाइल हैरिटेज नगर निगम को भेजी है। इसी बीच बुधवार को शहर में सफाई के हालात बदत्तर ही दिखे। हालांकि जो अतिरिक्त 14 जेसीबी, 28 डंपर और 14 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां लगाई गई हैं, उन्होंने जरूर मुख्य सड़कों और गलियों से कचरा उठवाया।

सूत्रों की मानें तो बीवीजी कंपनी ने 14 करोड़ रु. का भुगतान ग्रेटर निगम पर बकाया निकालते हुए बीते एक सप्ताह से हड़ताल कर रखी थी। कंपनी ने जब अपने हूपर संचालकों को पैसा नहीं दिया तो उन्होंने घर-घर कचरा संग्रहण बंद कर दिया। इस कारण बीते एक सप्ताह से जयपुर में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे पड़े थे। इसी बीच 1 मार्च से स्वच्छता सर्वेक्षण भी शुरू हो चुका है। राजधानी में जयपुर में सफाई के हालात बदत्तर होते देख मुख्य सचिव ऊषा शर्मा ने भी नगर निगम के अफसरों को लताड़ लगाई, जिसके बाद आनन-फानन में बुधवार को ग्रेटर निगम ने बीवीजी कंपनी के प्रतिनिधियों की बैठक बुलाई और 2 महीने के भुगतान की फाइल हैरिटेज निगम को भेजने का निर्णय लेकर हड़ताल तुडवाई।

यूक्रेन में अभी भी राजस्थान के 1008 लोग फंसे हैं, 207 वापस यहां लौट चुके : शकुंतला रावत

विधानसभा में यूक्रेन संकट पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष-विपक्ष एकजुट दिखा

जयपुर (विसं)। यूक्रेन संकट के मुद्दे पर बुधवार को विधानसभा में हुई चर्चा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक एकजुट दिखे। भाजपा विधायकों ने यूक्रेन में फंसे राजस्थानी स्टूडेंट्स और नागरिकों को निकालने के काम में राज्य सरकार और केंद्र के काम की तारीफ करते हुए एकजुटता जाहिर की।

- **यूक्रेन से लौटे मेडिकल-इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स के लिए अलग से सीटें अलॉट करे सरकार, आर्थिक पैकेज भी जारी हो : राजेन्द्र राठौड़**
- **राठौड़ ने सुझाव दिया कि जयपुर से मॉनिटरिंग करने की जगह एक ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स बनाकर दिल्ली भेजना चाहिए, जो कि यूक्रेन में फंसे बच्चों को वापस लाने पर भारत सरकार से कॉर्डिनेशन करे**

सदन में उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि ''यूक्रेन में राजस्थान के 1008 स्टूडेंट्स और नागरिक फंसे हुए हैं, अब तक 207 स्टूडेंट्स वापस लौट चुके हैं। राजस्थान सरकार यूक्रेन में फंसे स्टूडेंट्स को घर तक पहुंचाने का पूरा खर्च उठा रही है। राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। वहां फंसे बच्चों को निकालने के लिए प्रवासी राजस्थानी भी सहयोग कर रहे हैं।'' रावत ने कहा कि बच्चों को लाने में वीजा ट्रांजिट प्रक्रिया में समय लग रहा है। सीएम ने विदेश मंत्री और प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। भारतीयों के साथ यूक्रेन में अच्छा बर्ताव नहीं करने की जानकारी भी आ रही है। विदेश मंत्रालय को वहां संपर्क करके बच्चों को जल्द निकालने की पहल करने की जरूरत है। वापस लौटे स्टूडेंट्स कह रहे थे कि जितनी घरवालों ने बात नहीं की उतनी तो राजस्थान सरकार ने बात की। वहां फंसे बच्चों से संपर्क कर उन्हें भरोसा दिला रहे हैं कि आपको चिंता करने की जरूत नहीं है।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि ''जो स्टूडेंट्स यूक्रेन से आए हैं, वे पढ़ाई के लिए वापस नहीं लौट पाएंगे, इनकी लाखों रुपए फीस लग गई। सरकार को चाहिए कि यूक्रेन से लौटे मेडिकल, इंजीनियरिंग स्टूडेंट के लिए अलग से सीटें अलॉट कर उनके पढ़ने की व्यवस्था करें। सरकार इन्हें पैकेज भी दें, क्योंकि इनमें कई गरीब घरों के बच्चे हैं। आज पूरा सदन यूक्रेन में फंसे हुए बच्चों के साथ है।''

राठौड़ ने कहा कि दुनिया विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। यूक्रेन में फंसे 1008 बच्चों में अपने बच्चे का चेहरा देखिए, यह बहुत संवेदनशील मुद्दा है। जयपुर से मॉनिटरिंग करने की जगह एक ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स बनाकर दिल्ली भेजना चाहिए, जो भारत सरकार के साथ कॉर्डिनेशन करे।

इस मुद्दे पर राजनीति नहीं : कटारिया

नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि यूक्रेन में फंसे बच्चों के मुद्दे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। इसमें हमें एक आवाज में बोलना चाहिए, मंत्री के जवाब से ऐसा लगा कि जैसे केंद्र सरकार ने कुछ नहीं किया हो। हमें केंद्र के प्रयासों का भी जिक्र करना चाहिए। इस मुद्दे पर हम सब एकजुट होकर काम करेंगे। यह बहुत गंभीर मुद्दा है। इस मामले में पक्ष-विपक्ष एकजुट होकर बच्चों को वापस लाने पर ध्यान दें, हम सब मिलकर ही काम करेंगे तो अच्छा संदेश जाएगा।

यूक्रेन में फंसे बच्चे हम सबके : स्पीकर

स्पीकर सीपी जोशी ने कहा-यूक्रेन में फंसे स्टूडेंट्स को लेकर राजस्थान और भारत सरकार दोनों चिंतित हैं। सदन की भावना से भारत सरकार को अवगत कराएंगे। दोनों सरकारें मिलकर हम जनता को विश्वास दिलाएंगे कि बच्चों को वापस लाने में कोई कसर नहीं रखेंगे। इस मुद्दे पर पूरा सदन एक है। यूक्रेन में फंसे बच्चे हमारे बच्चे हैं।

'बमबारी के बीच बच्चे भूखे-प्यासे'

बीजेपी विधायक पुष्पेंद्र सिंह ने 24 फरवरी को यूक्रेन मुद्दे पर स्थगन लगाया था, जिस पर स्पीकर ने आज चर्चा कराने का फैसला किया था। पुष्पेंद्र सिंह ने कहा, यूक्रेन में फंसे कई बच्चे बहुत तकलीफ में है। बमबारी के बीच 72 घंटों से कई बच्चे बंकरों में भूखे-प्यासे बैठे हैं। दो-दो दिन से एक बार भी खाना नहीं मिल रहा है। हमें जल्द इन बच्चों को यूक्रेन से सुरक्षित वापसी पर काम करना होगा।

सार-समाचार

17 लाख रु.चुराने वाला दामाद पकड़ा

जयपुर । विधाधर नगर थाना पुलिस ने फ्लैट से दिनदहाड़े हुई 17 लाख की चोरी की वारदात का महज 12 घंटे के अंदर खुलासा कर दामाद को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से चुराई गई नकदी बरामद कर ली है। थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील ने बताया कि खण्डेलवाल टावर ब्लॉक-2, स्थित एक फ्लैट से 17 लाख रूपए चोरी होने का मामला दर्ज हुआ था। पुलिस ने घटनास्थल व आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। आरोपित ने वारदात के समय फ़्लैट में एक चि-ी छोडी थी, जिसमें पुलिस में मामला दर्ज करवाने पर दामाद और परिजनों की जान को खतरा बताया था। इस पर पुलिस ने तकनीकी व मनोवैज्ञानिक आधार पर परिवादी के परिजनों से गहन पूछताछ की तो चोर कोई और नहीं बल्कि परिवादी का सगा दामाद विवेक गुप्ता निवासी बैंक कालोनी रतलाम दोबती मध्यप्रदेश हाल सिरसी लिंक रोड करधनी निकला। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी की गई राशि बरामद की है। आरोपित को पैसों की जरूरत होने पर उक्त घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है।

सड़क हादसे में युवक की मौत, 7 घायल

जयपुर । सांगानेर सदर इलाके में कल्लवाला बस स्टैंड के पास बुधवार शाम एक सड़क हादसे में इलाज के लिए ले जा रहे युवक की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। थानाधिकारी ब्रज मोहन कविया ने बताया कि हादसा शाम करीब 6 बजे वाटिका रोड पर कल्लवाला स्टैंड के पास हुआ। एक स्कॉर्पियो कार चित्तौड़ा गांव से बीमार युवक को इलाज के लिए जयपुर लेकर आ रही थी। इस दौरान कार डिवाइडर से टकराकर बिजली के पोल से जा भिड़ी। हादसे में बीमार युवक विजय (20) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हादसे में उसके पिता रामवतार, बहन प्रियंका जांगिड, भाई आशीष सहित दुर्गाशंकर, गणेश, लक्ष्मीनारायण, कमलेश और मोहन लाल घायल हो गए। मृतक और घायल चित्तौड़ा गांव के रहने वाले हैं। म

धर्मेंद्र राठौड़ से मिली नर्सेज समिति

जयपुर । नर्सेज संघर्ष समिति ने बुधवार को नर्सिंग भर्ती 2018 में नियुक्ति तिथि 29 अप्रैल 2020 को लेकर राज्य मंत्री धर्मेंद्र राठौड़ से मुलाकात कर ज्ञापन दिया। संघर्ष समिति अध्यक्ष सोम सिंह मीणा ने बताया कि 28 अप्रैल 2020 को जारी नियुक्ति सूची में चयनित होने के वाबजूद विभागीय त्रुटि के कारण प्रदेश भर के हजारों नवनियुक्त नर्सेज परिवीक्षा काल को लेकर चिंतित है। विभागीय त्रुटि के कारण हजारों नर्सेज लगभग 3 से 4 महीने समयांतराल को लेकर भयभीत है। संघर्ष समिति के दुबारा लंबे समय से मुख्यमंत्री, चिकित्सा मंत्री व विभागीय अधिकारियों को अनेक बार ज्ञापन देकर अवगत करवा चुके है, उसके वाबजूद भी नियुक्ति तिथि का समाधान नहीं हो रहा। इसको लेकर प्रदेश भर के हजारों नर्सेज सोमवार को जयपु र कूच कर आंदोलन को मजबूर होंगे।

छोटी बहन के पति ने किया दुष्कर्म

जयपुर । ब्रह्मपुरी थाना इलाके में एक विवाहिता से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। थानाधिकारी प्रदीप सिंह ने बताया कि इलाके निवासी 28 वर्षीया महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि अरविन्द रिश्ते में छोटी बहन का पति है, जिसने एक दिन मौका पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना की अश्लील वीडियो बना ली। अब वीडियो वायरल करने की धमकी देकर देहशोषण करता आ रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पेपर लीक प्रकरण में युवती गिरफ्तार

जयपुर । एसओजी ने रीट पेपर लीक मामले में बुधवार को एक युवती को गिरफ्तार किया है। एडीजी एटीएस-एसओजी अशोक राठौड़ ने बताया कि गिरफ्तार युवती सविता चौधरी खण्डार जिला सवाई माधोपुर की रहने वाली है। आरोपित युवती द्वारा परीक्षा से पूर्व आरोपितों के साथ सवाई माधोपुर में रीट परीक्षा का प्रश्न पेपर पढना सामने आया है। इस प्रकरण में अब तक 42 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जनता जल योजना से जुड़े 4 हजार कार्मिकों को नियुक्ति देने की मांग

जनता जल योजना से जुड़े हजारों कर्मचारी बुधवार को प्रदेश जनता जल योजना श्रमिक यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष प्रह्लाद राय अग्रवाल के नेतृत्व में विधानसभा घेरने जयपुर पहुंचे। इन्होंने वर्ष 2013 से अटकी भर्ती को पूरा करके 4 हजार कर्मचारियों को तुरंत नियुक्ति देने की मांग उठाई।

राजनीतिक नियुक्तियों में प्रतिनिधित्व नहीं मिलने से धाकड़ समाज नाराज

जयपुर । राज्य सरकार में बीते दिनों हुई ढेरों राजनीतिक नियुक्तियों व संगठन में समाज को प्रतिनिधित्व नहीं मिलने पर धाकड़ समाज समिति जयपुर ने नाराजगी जताई है। बुधवार को अध्यक्ष महेश धाकड़ के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर वहां मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। अध्यक्ष महेश धाकड़ ने बताया कि राजनीतिक नियुक्तियों व संगठन में भागीदारी नहीं मिलने से समाज में भारी आक्रोश है। धाकड़ ने कहा कि कई राज्यों के अलावा राजस्थान के भरतपुर, धौलपुर, कारौली, सवाई माधोपुर, टोंक, बूंदी, कोटा, बांरा, झालावाड़, भीलवाड़ा, अजमेर, चितौडग़ढ़, निम्बाहेड़ा, उदयपुर के अलावा जयपुर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में धाकड़ समाज का अच्छा खासा वर्चस्व है। धाकड़ ने बताया कि इस संबंध में समाज का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही मुख्यमंत्री से मिलेगा।

पार्षदों से खतरा बताकर निगम आयुक्त ने पुलिस सुरक्षा मांगी

जयपुर (कासं)। नगर निगम के इतिहास में शायद ही पहली बार किसी आईएएस अधिकारी ने पार्षदों से खुद को खतरा बताकर पुलिस सुरक्षा मांगी है। सूत्रों की मानें तो ग्रेटर नगर निगम के आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव ने खुद को पार्षदों से खतरा बताते हुए अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह को पत्र लिखकर सुरक्षा देने की मांग की है।

आयुक्त ने 4 जून 2021 को हुई पार्षदों से धक्का-मुक्की का हवाला दिया है। उनको पार्षदों से इतना डर सता रहा है कि उन्होंने घर, कार्यालय और खुद के साथ सुरक्षाकर्मी मांगे है। पत्र मिलने के बाद गृह विभाग ने डीजी इंटेलीजेंस से रिपोर्ट मांगी है। वहीं दूसरी तरफ कमिश्नर द्वारा पुलिस सुरक्षा मांगने की चर्चाएं नगर निगम की गलियारों में हर तरफ हो रही हैं।

पार्षदों का कहना है कि निगम आयुक्त को जनप्रतिनिधियों से कोई खतरा नहीं हो सकता। जनप्रतिनिधि, जनता का सेवक होता है। आमजन से जुड़ी समस्याएं पार्षदों को सुननी पड़ती है तो अधिकारियों का काम है कि जनता की समस्याओं का निवारण करें। निगम आयुक्त को पार्षदों से नहीं एसीबी का डर सता रहा है। सूत्रों की मानें तो सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद जब से सौम्या गुर्जर ने पुन: ग्रेटर निगम की महापौर का पदभार संभाला है, तभी से निगम आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव ने उनकी बैठकों से दूरियां बना रखी है। हालांकि दोनों के बीच की खींचतान करीब 10 महीनों से चल रही है।

- **ग्रेटर निगम में गत वर्ष 4 जून को हुई धक्का-मुक्की का हवाला देकर एसीएस गृह को पत्र लिखा**